MR. CHAIRMAN: I am aware of it. ...*(Interruptions)*... Please do not interrupt the Question Hour. ...*(Interruptions)*... Please do not interrupt the Question Hour. *(Interruptions)* I am afraid...*(Interruptions)*... Please resume your place. ...*(Interruptions)*... Please resume your place. ...*(Interruptions)*... Allow the Question Hour to proceed. Other matters can be raised at other times. Question No. 43, please.

दिल्ली में गोल डाकखाने पर यातायात संबंधी समस्याएं

*43. **श्री राजनीति प्रसाद**: क्या **गृह मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या दिल्ली संस्थानिक अंचल (डी.आई.जेड.) क्षेत्र में गोल चक्कर के आसपास चलने वाले पैदल यात्रियों को यातायात पुलिस की लापरवाही के कारण अत्यधिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है;

(ख) यदि हां, तो क्या गोल डाकखाना के गोल चक्कर पर पैदल यात्रियों के लिए कालीबाड़ी मार्ग को पार करना या गोल डाकखाने में जाना लगभग असम्भव ही है;

(ग) क्या स्कूल जाने वाले बच्चों/उनके अभिभावकों को पेश आ रही समस्याओं को देखते हुए राज्य सभा की एक महिला सांसद ने भी इस स्थान पर यातायात विनियमों के संबंध में कुछ सुझाव दिए हैं, परन्तु यातायात पुलिस ने इन सुझावों पर कोई कार्यवाही नहीं की है; और

(घ) मंत्रालय कब तक यह सुनिश्चित करने की स्थिति में होगा कि यातायात संबंधी इन बाधाओं को दूर कर दिया गया है तथा इस लापरवाही के लिए जिम्मेदार व्यक्तियों के विरुद्ध समुचित कार्रवाई कर दी गई है?

गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्रीमती वी. राधिका सेल्वी): (क) से (घ) एक विवरण सदन के पटल पर रख दिया गया है।

विवरण

(क) और (ख) प्रश्नाधीन गोल चक्कर पर कई फीडर सड़कों के मिलने से इस सड़क पर भीड़-भाड़ बढ़ जाती है जिसके कारण सड़क पार करने के लिए पैदल चलने वालों को इंतजार करना पड़ता है। बाबा खड़क सिंह मार्ग पर चल रहे मैट्रो एअरपोर्ट एक्सप्रेस लिंक लाइन के निर्माण के कारण भी, जो अक्टूबर, 2010 में पूरा होना निर्धारित है, ट्रैफिक का विपथन करना जरूरी हो गया, जिसके परिणामस्वरूप ट्रैफिक जाम होता है।

(ग) और (घ) जी हां, श्रीमान। इस संबंध में राज्य सभा के माननीय सदस्य ने निम्नलिखित सुझाव दिए हैं:-

(i) कैथोलिक बिशप कान्फ्रेंस आफ इण्डिया (सी बी सी आई) तथा कालीबाड़ी मार्ग पर सेण्ट्रल कैथड्रल चर्च के आयरन निकास द्वार के मध्य वाहनों की अनाधिकृत पार्किंग की मनाही।

(ii) पैदल चलने वालों, खासकर नजदीक के विद्यालयों के बच्चों तथा उनके संरक्षकों को स्कूल समय के दौरान कालीबाड़ी मार्ग पर सड़क पार करना सुलभ बनाने के लिए सी बी सी आई भवन के सामने यातायात पुलिस/यातायात मार्शलों की तैनाती करना और इस उद्देश्य के लिए इस सड़क पर जेब्रा क्रासिंग का प्रावधान करना।

(iii) भाई बीर सिंह मार्ग-कालीबाड़ी मार्ग के टी प्वाइंट पर ट्रैफिक सिग्नल का उपयुक्त समायोजन तथा कालीबाड़ी मार्ग पर जाने वाले पदयात्रियों की सुविधा के लिए "नौ फ्री लेफ्ट टर्न" लिखे चमकीले साइन बोर्ड का प्रदर्शन करना।

माननीय ससंद सदस्य द्वारा दिए गए सुझावों सहित, इस मुद्दे की जांच करने पर, दिल्ली पुलिस ने निम्नलिखित कदम उठाए हैं:-

(i) इस गोल चक्कर पर यातायात को मैनुअली नियंत्रित करने और पोस्ट आफिस पहुंचने के लिए गोल चक्कर पैदल पार करने वालों की सहायता करने के लिए मौजूदा तैनाती को सुदृढ़ कर दिया गया है।

(ii) पैदल यात्रियों की समस्याओं का प्रशमन करने के लिए विभिन्न फीडर सड़कों के आने/सड़कों को जाने वाले ट्रफिक की फेजिंग की गई है।

(iii) ट्रैफिक की मानीटीरिंग करने तथा पैदल यात्रियों की सहायतार्थ इस गोल चक्कर पर सुबह सवेरे से ही एक मोटर साईकल पैट्रोल की तैनाती की गई है।

(iv) पैदल यात्रियों की सुविधा के लिए पर्याप्त संख्या में जेब्रा क्रासिंग बनाए गए हैं।

(v) भाई बीर सिंह मार्ग-कालीबाड़ी मार्ग के "टी" प्वाइंट पर सिग्नल की टाइमिंग मैनुअली समायोजित की जाती है।

सरकार दिल्ली की सड़कों को पैदल चलने वालों के लिए आरामदायक बनाने तथा सुगम यातायात सुनिश्चित करने के लिए वचनबद्ध है। हालात एवं अपेक्षित उपायों की सतत आधार पर समीक्षा की जाती है।

Traffic problems at Gol Dakkhana in Delhi

†*43. SHRI RAJNITI PRASAD: Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether pedestrians have to face a lot of problems due to carelessness of traffic police while walking along the round about situated at Delhi Institutional Zone (DIZ) area;

(b) if so, whether it is almost impossible for pedestrians to cross Kalibari Road at Gol Dakkhana roundabout or to go to Gol Dakkhana;

(c) whether a lady Member of Rajya Sabha has also given some suggestions regarding traffic regulation at this site keeping in view the problems being faced by school going children/their guardians, but the traffic police has not taken any action on these suggestions; and

(d) the time by when the Ministry will be in a position to ensure the removal of these traffic hurdles and take proper action against persons responsible for this carelessness?

THE MINISTER OF HOME AFFAIRS (SHRI P. CHIDAMBARAM): (a) to (d) A Statement is laid on the Table of the House.

Statement

(a) and (b) A large number of feeder roads converging at the roundabout in question has led to the problem of road congestion, due to which pedestrians have to wait to cross the road. The ongoing construction of the Metro Airport Express Link Line along the Baba Kharak Singh Marg, which is scheduled for completion in October, 2010, has also necessitated the diversion of traffic with consequential impact on traffic congestion.

(c) and (d) Yes, Sir. In this regard, the Hon'ble Member of Rajya Sabha has given the following suggestion:—

†Original notice of the question was received in Hindi.

(i) Prohibition of unauthorized parking of vehicles between Catholic Bishop Conference of India (CBCI) building and iron exit gate of Central Cathedral Church on Kali Bari Marg.

(ii) Deployment of traffic police/traffic marshals in front of CBCI building to facilitate the pedestrians, especially children of nearby schools as well as their guardians, to cross over at Kali Bari Marg during school hours and provision of zebra crossing on this road for this purpose.

(iii) Suitable adjustment of the timing of the traffic signal at the T-point of Bhai Veer Singh Marg-Kali Bari Marg and display of fluorescent signboard showing "No Free Left Turn" to facilitate the pedestrian cross over at Kali Bari Marg.

After examining the issues, including suggestions made by the Hon'ble Member of Parliament, the Delhi Police has taken the following steps:

(i) The existing deployment has been strengthened to regulate traffic manually at the roundabout and to assist pedestrians to negotiate the roundabout to reach the Post Office;

(ii) Phasing of traffic cycle to/from various feeder roads has been adjusted to mitigate the problems of the pedestrians.

(iii) One motorcycle patrol has been deployed at the roundabout from early morning hours for the monitoring of traffic and assistance to pedestrians;

(iv) Adequate number of zebra crossing has been provided to facilitate the pedestrians;

(v) the timings of signal at T Point of Bhai Veer Singh Marg-Kali Marg are adjusted manually.

The Government is committed to make the roads of Delhi pedestrian-friendly while ensuring smooth flow of traffic. The situation and measures required are reviewed on a continuing basis.

श्री राजनीति प्रसाद : सभापति जी, बहुत-बहुत धन्यवाद। यह दुर्भाग्य है कि जिन लोगों के पास गाड़ी या व्हिकल नहीं है, हमारे जैसे लोगों के पास गाड़ी नहीं है, उनको दिल्ली में रोड क्रॉस करने में बहुत दिक्कत होती है। हम नॉर्थ एवेन्यू में रहते हैं, लेकिन अगर हमें इमरजेंसी है और हमारे पास गाड़ी नहीं है, तो ट्रैफिक की इतनी भीड़ होती है कि आप आर.एम.एल. हॉस्पिटल नहीं जा सकते हैं। सभापति जी, मैं कल रात जाकर...(व्यवधान)...

श्री सभापति : सवाल पूछ लीजिए।

श्री राजनीति प्रसाद : सभापति जी, मैं सवाल ही पूछ रहा हूं। मैंने कल खुद जाकर देखा कि काली बाड़ी का जो गोल चक्कर है, जो गोल डाकखाना है, वहां पर गाड़ियां किस तरह से चलती हैं...(व्यवधान)...उसके दोनों तरफ मकान हैं। दोनों तरफ मकान के लिए हमें लगता है कि ये नदी के दो छोर हैं। कोई इधर से उधर नहीं जा सकता है और कोई उधर से इधर नहीं जा सकता है। हमारे मंत्री महोदय ने कहा कि हमने जेब्रा क्रॉसिंग भी लगाई है, लेकिन मैंने खुद देखा है ...(व्यवधान)...

श्री सभापति : आप सवाल पूछिए।

श्री राजनीति प्रसाद : सभापति जी, मैं सवाल ही कर रहा हूं। आज मेरा जतरा अच्छा है कि यह आ गया, नहीं तो गड़बड़ हो जाती, मैं सवाल कर रहा हूं। मैंने देखा है कि जेब्रा क्रॉसिंग पर भी गाड़िया जेब्रा क्रॉसिंग को क्रॉस करके जाती हैं। पूरी दिल्ली में पैदल यात्रियों के लिए कोई भी सुविधा नहीं है। मैं मंत्री महोदय से यह जानना चाहूंगा कि क्या दिल्ली 50, 60 लाख गाड़ियों के लिए बनी है? क्या दिल्ली पैदल यात्रियों के लिए भी बनी है? ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति : आप सवाल पूछ लीजिए।

श्री राजनीति प्रसाद : क्या आप पैदल यात्रियों के लिए कुछ करेंगे, मैं यह सवाल पूछ रहा हूं?

श्री सभापति : सवाल हो गया है।

SHRI P. CHIDAMBARAM: Sir, I am in total agreement with the hon. Member. Pedestrians have as much, in not a greater, claim to the roads as vehicles. In fact, the tendency to push pedestrians into subterranean subways and allow vehicles to use the surface of the road is a retrograde move. Pedestrians have as much a claim to the roads as the vehicles, in fact, a greater claim. The problem in Gole Dakkhana and Gole Market area is that there are five arterial roads which converge around the Gole Dakkhana. The Gole Dakkhana is a heritage building. The best suggestion is unacceptable to everyone and quite rightly. The best suggestion is to move the Gole Dakkhana to some other place. It cannot be done. It is a heritage building. It is being maintained as a heritage building. Because of its location and because of the five arterial roads converging around the Gole Dakkhana, it cannot be regulated by traffic lights. It can only be regulated manually by policemen being stationed on the arterial roads. What has complicated the matter is the Metro work that is going on in Baba Kharak Singh Marg. When that Metro work is completed in 2010, I am told, things may improve. I have spoken to the Police Commissioner and his officers this morning. In the meanwhile, what they have done is, they have posted nine policemen to manually regulate the traffic in that area. There is one policeman on the motorcycle also who moves around regulating the traffic. All traffic is stopped for 20 seconds every 2-1/2 minutes to allow pedestrians to cross during non-peak hours. I have advised the Police Commissioner this morning that they should stop all traffic for, at least, 10 to 15 seconds every 2-1/2 to three minutes even during peak hours to enable children, mothers and others to cross the roads. He said that he would take steps in that behalf. Sir, they are giving their best but, there are peculiar problems at Gole Dakkhana. I share the concern of the hon. Member. I am not an expert. We have asked the organisation, that is, the Central Road Research Institute, to look into the matter. They have come up with the best solution. But, the best solution is not acceptable. Therefore, now, we have to look for alternative solutions.

श्री राजनीति प्रसाद : सर, मेरा एक छोटा-सा सवाल है। यह जो मेट्रो बन रही है, उस पर हम लोगों को कोई objection नहीं है। अगर कहीं पुल बनता है, तो हम लोग वहाँ diversion देते हैं, लेकिन जो मेट्रो बन रही है, उसमें कोई diversion नहीं है। इससे हम लोगों को बहुत घुमा कर लाना पड़ता है। उसमें भी अगर कोई पैदल यात्री है, तो उसे बहुत परेशानी होती है। सर, मैं मंत्री जी से एक सवाल और पूछना चाहता हूँ।

श्री सभापति : आपका सुझाव क्या है?

श्री राजनीति प्रसाद : सर, मेरा सवाल यह है कि आप बताइए कि पैदल यात्रियों के लिए अभी तक आपने कितनी सुविधाएँ दी हैं? जो पहले से हैं, वे नहीं, जब से मेट्रो बन रही है, तब से आपने पैदल यात्रियों के लिए कितने lanes बनाए हैं, कितने crossings बनाए हैं और कितनी सुविधाएँ दी हैं?

SHRI P. CHIDAMBARAM: Sir, the question is being repeated. So, I don't want to repeat the answer. But, let's look at the facts. In 1991, there were 19,23,000 vehicles registered in Delhi. This does not include vehicles registered in Noida, Gurgaon and other places. Today, sixty lakh vehicles are registered in Delhi alone. Then, there are vehicles coming in from Noida, Gurgaon, etc. There's a problem there. The second best solution is also not acceptable. The second best solution is, construct subways for pedestrians. But, if I were a pedestrian, I would not want to use a subway. Subways constructed in Delhi are under-utilised because pedestrians don't want to be pushed under the ground whereas the traffic moves on the surface. There are problems. But, once the Metro is completed in 2010, perhaps, it will ease the problems. In the meanwhile, the Central Road Research Institute is looking into the matter. Since couple of solutions which they proposed have been found unacceptable, we have asked them to suggest some other solutions.

श्री बनवारी लाल कंछल : सर, मैं आपके माध्यम से गृह मंत्री जी से निवेदन करना चाहता हूं कि मैं भी उसी श्रेणी में हूं जिस में राजनीति प्रसाद जी हैं। महोदय, सन् 2010 में जब तक मेट्रो बनकर तैयार होगी तब तक के लिए क्या गृह मंत्री जी हम लोगों के लिए कोई व्यवस्था कर सकते हैं? महोदय, अगर हमें जनपथ या गोल मार्केट जाना हो तो आज हमारे लिए क्या व्यवस्था है? दूसरा प्रश्न मेरा यह है कि दिल्ली में आज 60 लाख गाड़ियां पंजीकृत हैं और इनकी संख्या लगातार बढ़ती जा रही हैं तो क्या गृह मंत्री जी गाड़ियों की बढ़ती संख्या पर पाबंदी लगाने के लिए कोई कदम उठाएंगे जैसे कि सिंगापुर में है?

SHRI P. CHIDAMBARAM: Sir, I don't think we can compare Singapore with India. Singapore is an island State with a very small population. The population of Delhi has crossed 1.7 crore. Vehicle population is exploding. What we have done is, at the moment, all vehicular traffic is stopped for 20 seconds every two-and-a-half minutes to allow pedestrians to cross. This is during a non-peak hour. Today, I have instructed that even in peak hours, this must be done which means vehicles will have to stop. Those who come by vehicles will have to either leave their homes early or leave their homes later. But if they come during peak hours, they will have to stop. There is a problem in Gol Dak Khana, there is a problem in Gol Market. It will ease in 2010. But there are no instant solutions. We are looking into it, the experts are looking into it. I have told them now to put on their thinking caps and find the solution.

श्री एस0एस0 अहलुवालिया : सभापति महोदय, माननीय मंत्री जी ने कहा कि सब-वे का यूज करने में लोगों को असुविधा है, लेकिन एस्कलेटर लगाकर "स्काइ वाक" में क्या असुविधा हो सकती है? दूसरे, आज सारी दुनिया में एनवायरनमेंट को मद्देनजर रखते हुए या ट्रैफिक की वजह से carbon emission को मद्देनजर रखते हुए साइकिल जोन बनाए गए हैं, जब हम अंडरग्राउंड ट्यूब रेल बना रहे हैं, तो क्या जो conjusted areas हैं, जैसे कि डी0आई0जेड एरिया है, वहां पर साइकिल जोन या pedestrian zone बनाने का इरादा सरकार रखती है?

SHRI P. CHIDAMBARAM: Sir, these are larger questions. When Delhi was planned, when Delhi roads were planned, we did not plan it like Amsterdam or the Hague where cyclist has as much of right to use the road as vehicles have. No cycle roads have been created here. In the newer roads... *(Interruptions)*...

MR. CHAIRMAN: Please let the answer proceed.

SHRI P. CHIDAMBARAM: In the new roads, cycle lanes are being created. But these are old roads. They have been there for many, many years. There is no space to create cycle lanes there. All that we can do is, find solutions which are acceptable. So, I said that the best two solutions are not acceptable. We have to find some other solutions. We will have to build a large number of flyovers etc. But there is a heritage building that is just causing a problem. Once the Metro is constructed, things will ease. Hopefully, more people will take to the Metro rather than drive their private cars. But, at the moment, the best that we can do is being done. But I have told them that the best does not appear to be good enough. I said, I won't satisfy any Member of the Rajya Sabha today. So, put on your thinking cap, come up with something better. They are doing their best. But the best, I admit, is not good enough.

SHRI YOGENDRA PREMKRISHNA TRIVEDI: Sir, there is a similar problem in Mumbai.

MR. CHAIRMAN: This is a Delhi-related question.

SHRI YOGENDRA PREMKRISHNA TRIVEDI: Sir, I am saying that we have solved the problem by having an underground sub-way for the traffic to move to any one of the 5 openings and then we have given permission to the hawkers or the shop-earners and it has become commercially feasible. Can it be done at Gol Dak Khana?

MR. CHAIRMAN: Good point.

SHRI P. CHIDAMBARAM: Sir, if the vehicular traffic can go through an under-pass, that is possible. But whether it can be done in Gol Dak Khana, I cannot say. But as a principle, I agree. Vehicular traffic should go through an under-pass, pedestrians should move on the surface of the road. That is possible technically. It is being done in many parts of the world and in many cities of India. Whether it is possible at this point, I cannot say. I will look into it.

Employment under NREGS

*44. DR. GYAN PRAKASH PILANIA: Will the Minister of RURAL DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) the number of households which requested for employment under the National Rural Employment Guarantee Scheme (NREGS) and who were provided employment, State-wise during 2006-07, 2007-08 and 2008-09;

(b) how many of above got 100 days employment;

(c) the average days of employment for each household; and

(d) whether the above can be called 'Satisfactory'?